हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 14 मार्च 2025

11 डेढ़ माह पहले मुख्य बाजार की तोड़ी थी सड़क...

14 विकाय कार्यों के टेंडर छोड़ने से पहले पार्षद की सहमति लें अधिकारी

सभी क्षेत्रवासियों को होली व धुलण्डी
के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
अजीत कुमार
सीएससी आकोली
प्रदीप मूलोदी
सीएससी संचालक
प्रवीण कुमार
श्री साइबर कैफे भोजावास
सचिन यादव
जिला प्रबंधक सीएससी
हरिओम यादव
एसएचजीबी सीएससी
कृण कुमार योगी
युवा प्रदेशाध्यक्ष
कैलाश चंद सैनी
बैलनस कोच
नितेश यादव
कादीपुरी
नीरज
भुंगारका
योगेश कुमार
ढाणी बाठोठा
अमित यादव
भुंगारका
ऋषि देव जांगिड
भोजावास
मंजीत गुणवाल
ढाणी बाठोठा
राकेश यादव
एसएचजीबी सीएससी, मंढाणा
राकेश सैनी
आईसीआई बैंक
राव बिरेंद्र सिंह
मंढाणा
रोनित यादव एचआर
ढाणी बाठोठा
रोहित
ढाणी बाठोठा
बिनोद नंबरदार
नांगलिया भित्रपुरा
संदीप कुमार
भुंगारका
कबूल सिंह
शहरपुर
सुदेश यादव
समाजसेवी मंढाणा
कर्ण पंडित
ढाणी बाठोठा
हितेश यादव उर्फ सोनू
सेका

समस्त क्षेत्रवासियों को
होली व धुलण्डी के पावन पर्व
की
हार्दिक शुभकामनाएं
आरती सिंह राव
स्वास्थ्य मंत्री हरियाणा सरकार
मास्टर जसवंत
HAPPY
HOLI
रामभतेरी पंच
सरला पंच
अंजुबाला पंच
सुनीता पंच
सुशीला पंच
कुमारी आरती
सरपंच ग्राम पंचायत सलीमपुर

नगर पालिका हाउस की बैठक 20 को, 36 विकास कार्यों पर होगी चर्चा
शहर के सौंदर्यीकरण पर रहेगा फोकस, अतिक्रमण के खिलाफ सदन सख्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

नगर पालिका हाउस की साधारण बैठक 29 नवंबर को नगर पालिका कार्यालय में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता नगर पालिका के प्रधान रमेश सैनी करेंगे। बैठक में 25 प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। बैठक के दौरान शहर में नई स्ट्रीट लाइट लगाने, शहर की सफाई व्यवस्था को सुधार करने, नई सड़क का निर्माण करने, विभिन्न चौक का सौंदर्यकरण करने तथा अतिक्रमण

महेंद्रगढ़। नगर पालिका का मुख्यद्वार।

सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बैठक की सूचना की जानकारी शहर के सभी पार्षदों, सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह वह विधायक कंवर सिंह यादव को भी भेज दी गई हैं।

- मौद्राश्रम के पास स्थित शिव पार्क को विकसित करने व जिम लगाने।
- डुलाना रोड स्थित गौशाला के पास आधुनिक पार्क विकसित करने।
- हुड्डा पार्क में खाली पड़ी जमीन पर इनडोर स्टेडियम बनाने।
- ताऊ देवी लाल पार्क को विकसित करने तथा महिला और चिल्ड्रेन पार्क विकसित करने।
- नगरपालिका की सड़कों से उखाड़ी गई पुरानी टाइल्स को गौशाला, मंदिर या अन्यत्र स्थान पर लगाने के बारे में विचार।
- विभिन्न स्थानों पर 200 तिरंगा लाइट लगाने।
- कैंची मोड़ पर महाराजा शूरसिंह सैनी चौक बनाने के बारे में विचार।
- कैंची मोड़ से कॉलेज मोड तक मार्ग को सावित्री बाई फूले मार्ग के नाम से नामकरण करने को लेकर चर्चा।
- महाराजा अग्रसेन पार्क का सौंदर्यकरण कर अत्याधुनिक बनाने के बारे में विचार।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा

- विश्वकर्मा चौक का सौंदर्यकरण करने
- भगवान परशुराम चौक को आधुनिक रूप से सौंदर्यकरण करने
- अम्बेडकर चौक का सौंदर्यकरण करने
- शहर में जाम की स्थिति को देखते हुए वर्तमान में स्थित नगरपालिका कार्यालय के स्थान पर मल्टीलेवल पार्किंग के साथ शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाने के बारे विचार
- शहर में गौशाला रोड, रेलवे रोड, सैनीपुरा मोहल्ला, बाल्मीकि मोहल्ला, ढाणी मौहल्ला व अन्य स्थान पर आधुनिक शौचालय बनाने
- हुड्डा पार्क में सीसीटीवी कैमरे लगाने
- शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के अंदर लगे लेंटर की जर्जर हालत को देखते हुए मरम्मत कराने
- सलीमाबाद क्षेत्र को नगरपालिका सीमा में शामिल करने
- वार्ड नंबर 1 में स्थित दोनों कम्युनिटी सेंटर को रिपेयरिंग करने
- वार्ड नंबर 8, 9, 10, 11, 12 व 13 में जर्जर हो चुकी नालियों की मरमत करने के बारे में विचार
- शहर में संत दुर्बलनाथ महाराज, भगवान महर्षि बाल्मीकि व संत गुरु रविदास मार्ग व चौक बनाने के बारे में विचार
- पूरे नगरपालिका सीमा की कॉलोनी जिसमें सीवर, पानी, बिजली, सड़क जैसी सुविधाएं पहले से ही मौजूद है उसको अप्रूव्ड क्षेत्र घोषित करने
- महाराणा प्रताप चौक पर हाई मास्क लाइट लगाने
- ब्रह्मचारी रोड से सामुदायिक कम्युनिटी सेंटर होते हुए अम्बेडकर चौक तक 30 फीट चौड़ी सड़क मार्ग बनाकर दोनों तरफ नगरपालिका की दुकानें बनाने
- सभी श्मशान घाट आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाना

खबर संक्षेप

होली के त्योहार पर ओलावृष्टि, नुकसान

कनीना। होली के पावन पर्व पर देश त्योहार मना रहा था, उस समय उपमंडल के गांव पोता, नौताना, बाघोत, स्याणा, सीहोर गांव आदि स्थानों पर ओलावृष्टि हुई। जिससे खेतों में खड़ी सरसों की पक्की हुई फसल को नुकसान पहुंचा। तेज हवाओं के साथ हुई ओलावृष्टि ने किसानों के खुशी पर पानी फेर दिया। इस बारे में कनीना के नायब तहसीलदार दलबीर सिंह दुग्गल ने बताया कि ओलावृष्टि की सूचना मिलने पर राजस्व विभाग के टीम ने आरंभिक रिपोर्ट बनाकर उच्च अधिकारियों को भेज दी है।

न्यायमूर्ति नरेश शेखावत बार परिसर में पहुंचे

नारनौल। न्यायमूर्ति नरेश शेखावत वीरवार दोपहर जिला बार एसोसिएशन के निमंत्रण पर बार परिसर में पहुंचे। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान संतोख यादव कुछ दिन पहले ही न्याय मूर्ति नरेश शेखावत को निमंत्रण दिया था। न्यायालय परिसर में पहुंचने पर एएसडी स्कूल के बच्चों ने बैंड बजाकर स्वागत किया और जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सुरा व जिला बार एसोसिएशन के प्रधान संतोख यादव ने न्यायमूर्ति को बुकें भेंट कर स्वागत किया। जिला बार एसोसिएशन की तरफ से एडवोकेट भवानी सहाय वालदिया, बीएस भारद्वाज, हुकम सिंह यादव व प्रेमचंद गुप्ता ने पगड़ी पहनाई।

होली का त्योहार संस्कृति का प्रतीक : शेखावत

कनीना। होली का त्योहार हम सबके लिए परंपराओं व रंगों से भरा है। जिसका जीवन में विशेष महत्व है। यह बात पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट के न्यायाधीश नरेश शेखावत ने कनीना बार एसोसिएशन में अपने संबोधन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि कनीना बार एसोसिएशन में युवा अधिवक्ता है। जहां से उनका विशेष लगाव है। उन्होंने अधिवक्ताओं की समस्याओं को सुना व न्यायालय भवन के लिए भूमिका अवलोकन भी किया। इस दौरान उनके साथ कनीना के न्यायाधीश प्रवीण कुमार, विशेष गर्ग, नायब तहसीलदार दलबीर सिंह दुग्गल, बार एसोसिएशन के प्रधान मनजीत सिंह कोटिया सहित अन्य मौजूद रहे।

निर्माण न होने से व्यापार हो रहा प्रभावित

डेढ़ माह पहले मुख्य बाजार की तोड़ी थी सड़क, दुकानदार परेशान

टूटी सड़कों पर दुपहिया वाहन लेकर चलना काफी मुश्किल हो रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर के बीचोंबीच मुख्य बाजार में पुरानी सड़क उखाड़ कर नई सड़क बनाने का कार्य लगभग डेढ़ माह पहले शुरू किया गया था और लोग तबसे लेकर अब तक रोड़ियों के बीच धक्के खा रहे हैं। सबसे बड़ी परेशानी तो यह है कि पुरानी सड़क की खुदाई करते वक्त जेसीबी से अनेक जगहों पर पानी के नलों की लाइनें कट गई, जिनका पानी निरंतर गलियों में बहता रहता है।

हालत खराब

आमदिनों की भांति गुरुवार प्रातः भी जब शहर में जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा पेयजल की आपूर्ति शुरू की गई, तब खुदाई में कटे नलों का पानी गलियों में बहने लगा और वह तर हो गई। मानक चौक से मुख्य बाजार के हालात इतने खराब रहे कि लोगों को कदम रखने तक को जगह नहीं थी और हर तरफ पानी बह रहा था। इसको लेकर दुकानदारों में काफी रोष बना हुआ है। दुकानदार एवं ग्राहक दोनों ही परेशान हैं। टूटी सड़कों पर दुपहिया वाहन लेकर चलना काफी मुश्किल हो रहा है। लोग खासकर महिलाएं एवं वृद्ध टूटी सड़कों में बार-बार गिरकर जख्मी हो रहे हैं।

नारनौल। मुख्य बाजार की टूटी सड़क में बहता पानी। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। सीवर लाइन में धंसने से फंसी ट्रैक्टर–ट्राली। फोटो : हरिभूमि

दुकानदारी ठप होने से रोजी-रोटी का ही संकट खड़ा हो गया

मुख्य बाजार के दुकानदार केशव गर्ग एवं नीरज संघी ने बताया कि नगर परिषद ने लंबे अरसे बाद बाजार की इस मुख्य सड़क की सुध ली थी, तब उम्मीद जगी थी कि बाजार को नई बेहतरीन सड़क मिलेगी, लेकिन पुरानी सड़क को तोड़े करीब डेढ़ महीना हो गया है, नई सड़क नहीं बनाई जा रही। उन्होंने बताया कि तोड़ी गई सड़क की जगह रोड़ियां बिछा दी गई हैं, लेकिन उस पर निर्माण कार्य नहीं चल रहा। सड़क तोड़ने के बाजार ठप है। ग्राहक यहां चलकर आने बंद हो गए हैं तथा दुकानदारी ठप होने से रोजी-रोटी का ही संकट हो गया है। परिवार का पेट पालना मुश्किल हो गया है। ऐसे में बच्चों के एडमिशन, उनकी किताबें, नया अनाज खरीदने की व्यवस्था कर पाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि इस सबके लिए नगर परिषद की कार्यप्रणाली दोषी है, क्योंकि इतने लंबे समय तक सड़क तोड़कर रखना काफी नागवार गुजर रहा है। उन्होंने बताया कि इस बाबत नगर परिषद के अधिकारी सुनवाई करने को ही तैयार नहीं है।

सड़क निर्माण में ठेकेदार पर घटिया निर्माण सामग्री लगाने का आरोप

नारनौल। हुडा में बनाई जा रही सड़क लोगों की परेशानी का सबब बन गई हैं। यहां बनाई जा रही सड़कों के निर्माण में ठेकेदार घोर लापरवाही बरत रहा है तथा घटिया सामग्री का इस्तेमाल कर रहा है। कमाल की बात है कि सड़क में जहां सीवर होदियां या लाइनें लीकेज होने से धंसी हुई हैं, वहां भी ठीक प्रकार से मरम्मत नहीं की जा रही। सड़क निर्माण में महज लीपापोती करने की वजह से नहर के साथ-साथ एवं इसके साथ ही गलियों में जहां सीवर लाइन धंसी हुई थी, वहां लीपापोती करने की वजह से खुद ठेकेदार की निर्माण सामग्री से भरे ट्रेक्टर-ट्राली धंस कर वहीं फंस गए। कमाल की बात यह भी है कि अनेक जगहों पर आगे-आगे सड़क बनाई जा रही है और पीछे-पीछे सड़क की रोड़ियां निकल रही हैं। इसकी लोगों ने ठेकेदार से शिकायत भी की है। पूर्व प्राचार्य मानसिंह एवं नगर पार्षद कपिल यादव ने बताया कि सड़क निर्माण में घोर लापरवाही बरती जा रही है। कई जगहों पर सीधे मिट्टी पर ही रोड़ियां एवं तारकोल डालकर उसे दबा दिया गया है।

शिव स्कूल के बच्चों ने खेली होली

नारनौल। शिव हाई स्कूल कमानियां में होली का पर्व हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर बच्चे रंग बिरंगे परिधानों में सजे नजर आए। बच्चों ने अपने साथ फूल व हर्बल गुलाल लाकर एक पर्यावरण सुलभ होली का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने पारंपरिक हरियाणवी अंदाज में नृत्य किया। बच्चों के उत्साह व खुशी से पूरा विद्यालय प्रांगण रंगों और उमंग से सराबोर हो गया। स्कूल संचालक अनिल कुमार ने बच्चों को होली के धार्मिक व सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह आपसी प्रेम, सद्भाव और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक भी है। विद्यालय परिवार ने सभी को सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण होली मनाने का संदेश दिया। होली समारोह में मोहनलाल, सतीश पीटीआई, मनोज, उगन्ता, बबली, कविता, संजना, ज्योति, नवीन, खुशबू आदि मौजूद थे।

सूरज स्कूल में होली के धूम

महेंद्रगढ़। सूरज स्कूल में होली का त्योहार बेहद धूमधाम और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने पूरी मस्ती के साथ होली के रंगों का आनंद लिया और शिक्षकगण भी इस उत्सव में पूरी तरह से शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत गुलाल से हुई, जहां बच्चों ने खुशियों का आदान-प्रदान किया। इसके बाद स्कूल में एक विशेष परंपरा के तहत फूलों से होली खेली गई, जिससे वातावरण और भी रंगीन और खुशहाल हो गया। बच्चों ने न सिर्फ रंगों का आनंद लिया, बल्कि फूलों के बीच झूमते हुए इस पारंपरिक पर्व को खास बना दिया। सूरज स्कूल के निदेशक संदीप प्रसाद ने बच्चों को होली पर्व की बधाई बच्चों से आग्रह किया कि वे इस पर्व को प्रेम और भाईचारे के संदेश के साथ मनाएं और त्योहार के असल मायने समझें।

नवज्ञान स्कूल में बच्चों ने अध्यापकों को अबीर लगाकर खेली होली

नारनौल। नवज्ञान ज्योति पब्लिक स्कूल मांदी में होली का रंगारंग जश्न मनाया गया। स्कूल का पूरा आंगन रंगों से सराबोर हो गया। विद्यालय के प्राचार्य ने छात्रों को होली खेलने के लिए गुलाल दिया। छात्रों ने अपने शिक्षकों के साथ मिलकर होली का त्योहार मनाया। बच्चों ने अध्यापकों को अबीर लगाकर खुशियां साझा की। मंच संचालक घनश्याम ने कहा कि बच्चों के साथ होली खेलने का आनंद अनूठा है। कार्यक्रम में चेयरमैन सोमवीर यादव भी उपस्थित रहे। सभी शिक्षकों ने बच्चों को होली की शुभकामनाएं दी। होली उत्सव ने बच्चों और शिक्षकों के बीच की दूरी को कम किया। सभी ने एक परिवार की तरह त्योहार का आनंद लिया। स्कूल मे होली पर्व पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। होली कार्यक्रम में लच्छू राम, सतीश कुमार, संजय, करिश्मा यादव, मनीषा, दीपक, आकाश व अन्य मौजूद रहे।

होटल में किराये पर लिए कमरे, फिर एलईडी टीवी बैग में रख फरार, आरोपी कैमरे में कैद

- सीसीटीवी कैमरा में कैद हुई बैग में एलईडी लेकर जाते की तस्वीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

निजामपुर कस्बे में एक होटल में चार कमरे किराये पर लिए गए। फिर कमरों में लगी एलईडी टीवी को चादर में लिपटकर बैग में डाला और फरार हो गए। अगले दिन कमरे की सफाई के दौरान मामले का पता चला। वहां लगे सीसी टीवी कैमरे में संदिग्ध की तस्वीर कैद हुई है। हैरानी है कि जो आईडी दी, वह भी फेक निकली। फिलहाल होटल मालिक के बेटे की शिकायत पर निजामपुर थाना में अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 305, 331 (4) के तहत केस दर्ज किया है। गांव घाटासेर वासी रवि कुमार ने शिकायत में बताया है कि पिता ने सरकारी कॉलेज छिलरो के पास एक होटल गोल्डन नाम से खोल रखा है। होटल पर मैनेजर ब्रजेंद्र कुमार अहीरवार को रखा हुआ है। मंगलवार शाम के समय होटल पर मैनेजर मौजूद था। वहां एक व्यक्ति होटल का कमरा किराया पर लेने के लिए आया था और चार कमरे किराया पर लेने बारे कहा, फिर एक हजार रुपये एडवांस जमा करवा दिए। कहा कि बाकी तीन कमरों में रात को जानकार रहने के लिए आएंगे। चार कमरों की चॉबी दे दो। जिस पर मैनेजर ने चार कमरों की चॉबी उस व्यक्ति को दे दी। उस व्यक्ति ने अपनी आईडी आधार कार्ड दिया था। उसमें उस व्यक्ति का नाम इक्त्यार पुत्र असार अहमद वासी वजीरपुर सवाई माधोपुर राजस्थान था।

रात को उस व्यक्ति ने चारों कमरों में से एलईडी टीवी उतार कर चद्दर में लपेटकर बैग में डालकर ले गया। इस तरह होटल में उस व्यक्ति ने चार एलईडी टीवी व एक चद्दर की चोरी की है। हमें सुबह के समय होटल मैनेजर ने इस बारे में जानकारी दी। फिर होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए, जिसमें करीब 45 वर्षीय एक व्यक्ति अपने बैग में चोरी किया हुआ सामान ले जाते हुए दिखाई दे रहा है। उस व्यक्ति ने जो आधार कार्ड दिया था।

नारनौल। काउंटर पर मैनेजर से बातचीत करता संदिग्ध व्यक्ति कैमरे में कैद।

अवैध खनन में लगे वाहन पकड़े

- अवैध खनन व परिवहन पर प्रशासन की कड़ी निगरानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

उपायुक्त डा. विवेक भारती ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में अवैध खनन तथा किसी भी प्रकार के खनिज का अवैध तरीके से परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला प्रशासन की संयुक्त टीम पुलिस की सहायता से लगातार कड़ी निगरानी कर रही है। पिछले दो दिनों में तीन ट्रैक्टर ट्राली अवैध तरीके से खनिज का परिवहन करते हुए पकड़े गए। इनसे 6:45 लाख रुपये का जुर्माना वसूला जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन गुप्त सूचना के आधार पर भी लगातार कार्रवाई कर रहा है। ग्राम पंचायत भी लगातार अपने गांव में इस तरह की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें तथा जिला प्रशासन को सूचित करें।

दो दिनों में हुई कार्रवाई के संबंध में जानकारी देते हुए जिला खनन इंजीनियर डा. राजेश कुमार ने बताया कि खनन विभाग, पुलिस विभाग, फॉरेस्ट विभाग तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संयुक्त टीम मंगलवार तथा बुधवार को विभिन्न स्थानों पर गस्त कर रही थी। इस दौरान राजस्थान से अवैध तरीके से बजरी ला रहे एक ट्रैक्टर ट्राली को पुलिस की सहायता से पकड़ा। चालक किसी प्रकार का बिल नहीं दिखा पाया। इस पर टीम ने इसे जब्त करके 2.15 लाख रुपये की रॉयल्टी तथा पेनल्टी वसूली की कार्रवाई शुरू की। इसी प्रकार राजस्थान बॉर्डर के साथ लगते गांव महरमपुर में चैकिंग के दौरान दो ट्रैक्टर ट्राली अवैध तरीके से बजरी ले जा रहे थे।

नारनौल। खनिज का अवैध परिवहन करते पकड़ी गई ट्रॉली। फोटो : हरिभूमि

धोखाधड़ी

आरोपितों से 28 एटीएम कार्ड, 17 चेक बुक, छह पासबुक व नकदी बरामद

साइबर फ्रॉड की वारदातों में भुंगारका के चार, बहरोड़ का एक आरोपित गिरफ्तार

आरोपी ठगों को खाता उपलब्ध करवाते थे, अपने हिस्से के पैसे निकाल आगे भेजते थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

साइबर थाना पुलिस साइबर ठगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। साइबर थाना की टीम ने साइबर ठगी की वारदातों में संलिप्त पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपित ठगों को खाता उपलब्ध कराते थे और खातों से पैसे निकालकर अपना हिस्सा रखकर साइबर ठगों को भेज देते थे। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान भुंगारका निवासी कमल, तनुज, अनुज, सूरज व राजस्थान के बहरोड़ थाना क्षेत्र के गांव नांगल खोडिया निवासी जितेंद्र के रूप में हुई। आरोपितों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस की ओर से आरोपितों से बरामद डॉक्यूमेंट्स के रिकॉर्ड की जानकारी प्राप्त कर मामले में कार्रवाई की जा रही है। थाना साइबर टीम महावीर चौक पर मौजूद थी। टीम को गुप्त सूचना मिली कि कमल वासी भुंगारका साइबर ठगी गिरोह के लिए काम करता है और जिसके एक्सिस बैंक के खाते में ठगी की काफी धनराशि आई है। साइबर थाना की टीम ने एक्सिस बैंक से खाते की संबंधित जानकारी प्राप्त की, जो खाता कमल के ही नाम मिला और खाते के खिलाफ कई शिकायतें मिली थी।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज

टीम ने पता लगाया कि जितेन्द्र व सूरज नारनौल आ रहे हैं। जिनको टीम ने हीरो होन्डा चौक पर रूकवाया, जो सिंघाना की तरफ से आ रहे थे। टीम ने चेक किया तो कमल के खाते के खिलाफ साइबर फ्रॉड की चार शिकायतें व तनुज के खाते के खिलाफ एक शिकायत पाई गई। साइबर थाना की टीम ने उनसे पूछताछ में पता लगाया कि वो साइबर ठगी करने वाले के लिए बैंक खातों का प्रबन्ध करते व उनसे पैसे निकालकर अपना हिस्सा रखकर उनको देते थे। टीम ने जितेंद्र व सूरज की गाड़ी के डेस्क बोर्ड से 24 एटीएम कार्ड, नौ चेक बुक, छह बैंक पासबुक व 190000 रुपये जब्त किए। तनुज से चार चेक बुक व चार एटीएम जब्त किए गए। अनुज से चार चेक बुक बरामद की। आरोपितों के खिलाफ साइबर थाना में मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया।

जब होली पर खुशी से झूम उठोगे तुम

होली आए और बच्चे मस्ती-धमाल न करें, यह कैसे हो सकता है! यह मस्ती तभी जमकर हो सकेगी, जब बच्चों को अधिक से अधिक लोगों का साथ मिले। होली हमें उन सब के साथ मनानी चाहिए, जिनके साथ हम अधिक से अधिक समय बिताते है, हमारे आस-पास रहते है। इससे न सिर्फ इन सबको त्योहार की खुशियां मिलेंगी, हमारी खुशियां भी बढ़कर चहक उठेंगी। होली सेलिब्रेशन में हर किसी का प्यार भरा साथ जरूरी है।

सेलिब्रेशन
प्रखर श्रीवास्तव

आज होली है। बच्चों के लिए मस्ती-धमाल का दिन। एक-दूसरे को रंग लगाना ही है। दोस्तों को लाल-पीले, हरे-नीले रंगों से रंगना है, खुद भी रंगों से रंग जाना है। टोली बनाकर हुड़दंग करना है, डांस भी करना है। बच्चों, तुमने भी इस बार होली के लिए अपने दोस्तों के साथ कुछ प्लानिंग जरूर की होगी कि होली कैसे मनाएंगे, ऐसे जमकर धमा-चौकड़ी करेंगे? होली पर तुम अगर कुछ बातों का ध्यान रखोगे तो जरूर यह त्योहार तुम्हें ही नहीं, दूसरों को भी खुशियों से भर देगा, यह होली तुम्हारी यादों में बस जाएगी।

घर से करो शुरुआत

होली की शुरुआत अपने घर से करो। अगर दादा-दादी साथ रह रहे हैं तो सुबह सबसे पहले उनके पैर छूकर उनका आशीर्वाद लो। उन्हें गुलाल लगाओ, उनसे भी अपने माथे पर गुलाल का टीका लगवाओ। होली पर अपने दादा-दादी को कभी नहीं भूलो। त्योहार पर दादा-दादी घर के बच्चों का अपनापन पाकर निहाल हो जाते हैं। इसी तरह अपने पापा-मम्मी के भी पैर छूकर उनका आशीर्वाद लो। इन्हें भी गुलाल लगाना ना भूलना। अपने घर के आस-पास रहने वाले बड़ों से भी जाकर आशीर्वाद लो, खासकर उन वृद्ध लोगों के घर जरूर जाओ, जो अकेले रह रहे हैं, इनके बच्चे किसी दूसरे शहर या विदेश में रह रहे हैं। तुम्हारा साथ पाकर वे खुशी से खिल उठेंगे, ढेर सारा आशीर्वाद देंगे। त्योहार पर बड़ों का आशीर्वाद लेने का मतलब है, सुखी जीवन।

जरूरी है दोस्तों का साथ

होली का असली मजा दोस्तों के साथ ही है। दोस्तों के साथ हम रंग ही नहीं खेलते, खूब मस्ती-धमाल भी करते हैं। इसलिए होली पर अपने हर दोस्त का साथ जरूरी है। बच्चों, होली पर उन दोस्तों को भी साथ लो, जिनसे किसी बात पर तुम्हारी कुछ दिन पहले लड़ाई हो गई थी, बातचीत बंद है। होली के दिन सारे शिकवे-शिकायत भूलकर उनके साथ रंग खेलो, उनसे गले मिलो। ऐसा करके तुम्हें एक अलग ही खुशी मिलेगी, तुम्हारा दोस्त भी खुश होगा। होली पर अपने उन दोस्तों को बिल्कुल न भूलो, जो किसी कारण होली नहीं खेल पा रहे हैं। शिवम को ही देखो, पिछली होली पर जब उसका दोस्त अंकित पैर में फ्रेक्चर होने की वजह से रंग खेलने नहीं आ सका तो शिवम पूरी टोली के साथ उसके घर पहुंच गया। अंकित को जब अपने घर में होली पर दोस्तों का साथ मिला तो उसके चेहरे पर छायी उदासी दूर हो गई। उसने सबको गुलाल का टीका लगाकर होली की खुशियां मनाईं। इसी तरह समीर के भी दोस्त उसे उस साल नहीं भूले, जब होली के एक माह पहले उसके पापा का एकाएक हार्टफेल होने की वजह से देहांत हो गया था, सभी दोस्त समीर के घर इसलिए गए कि वह त्योहार पर दुख में डूबा रहकर अपने आपको अकेला न समझे, उसको कुछ तो खुशी मिले, वह नॉर्मल लाइफ की ओर लौटे। समीर को दुख की घड़ी में अपने प्यारे दोस्तों का साथ पाकर एक बल मिला, त्योहार पर छाया सूनापन दूर हुआ। हां, बच्चों त्योहार इसीलिए होते हैं कि जीवन में छायी उदासी छंटे, खुशी मिले।

इन्हें भी न भूलो

बच्चों, त्योहार की खुशियां जितने ज्यादा लोगों के साथ मनाओगे, उतना ज्यादा अच्छा लगेगा। कहते हैं न कि खुशियां बांटने से बढ़ती है। त्योहार सिर्फ परिवार, रिश्तेदार, दोस्तों और पड़ोसियों के साथ ही नहीं, उन लोगों के साथ भी मनाओ, जो अकेले हैं, असहाय हैं, गरीब और जरूरतमंद हैं। नवीन हर साल होली पर अपने दोस्तों के साथ शहर के अनाथालय में जरूर जाता है, जहां ऐसे बच्चे रहते हैं, जिनके मां-बाप नहीं हैं, वे अकेले हैं। नवीन और उसके दोस्त इन अनाथ बच्चों के साथ रंग खेलते हैं, इन्हें होली पर बनने वाली गुझिया, मिठाई और नमकीन बांटते हैं। ये बच्चे त्योहार पर ऐसा प्यारा साथ पाकर बहुत ज्यादा खुश होंगे। उधर अमित और उसकी बहन अनिता भी अपने पापा-मम्मी के साथ घर से कुछ ही दूर पर वृद्धाश्रम में जाकर अकेले रह रहे वृद्धों के बीच होली मनाते हैं, उन्हें गुझिया, मिठाई स्वयं खिलाते हैं, अपनेपन का अहसास देते हैं। बच्चों, बहुत से लोग तो घर के पास बनी झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर उन गरीब, असहाय लोगों के बीच त्योहार की खुशियां मनाते हैं, जिनके पास इतने भी पैसे नहीं होते जो दो वक्त की रोटी खा सकें। इन गरीब परिवारों में तुम्हारे जैसे बच्चे भी होते हैं, त्योहार पर मदद और अपनापन पाकर बेइंतहा खुश होते हैं।

बच्चों, होली पर तुम अपने होम सर्वेंट जैसे मेड, ड्राइवर को ना भूलो, इन्हें होली की मुबारकबाद दो, गुलाल लगाओ। त्योहार के मौके पर तुम इन्हें या इनके बच्चों को कोई प्यारा सा गिफ्ट भी दे सकते हो। ऐसा प्यार-सम्मान पाकर यह बहुत खुश होंगे।

बच्चों, तुम जब इस तरह होली की खुशियां सबके साथ सेलिब्रेट करोगे तो तुम्हें एक बहुत अलग तरह की खुशी मिलेगी, तुम खुशी से झूम उठोगे। हैप्पी होली....! *

इस्तेमाल करो ऑर्गेनिक कलर्स

बच्चों, होली में मस्ती जरूर करो, लेकिन मस्ती में आकर ऐसा भी कुछ मत करना कि रंग में भंग हो जाए, होली का मजा किरकिरा हो जाए। अकसर देखा जाता है कुछ बच्चे ऐसे रंगों का इस्तेमाल करते हैं, जिनमें स्किन को नुकसान पहुंचाने वाले केमिकल्स मिले होते हैं, रंग लगने के बाद काफी दिनों तक परेशानी बनी रहती है। ये केमिकल्सयुक्त रंग आंखों को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं, इसलिए ऐसे रंग बिल्कुल न इस्तेमाल करो। अब तो बाजार में ऑर्गेनिक कलर मिल रहे हैं, तुम इनका उपयोग कर सकते हो। बच्चों, अपने मम्मी पापा की गाईडेंस में ऑर्गेनिक कलर घर पर भी तुम फूलों, फलों और सब्जियों से बना सकते हो। जब तुम इन ऑर्गेनिक कलर्स का इस्तेमाल करोगे, तुम्हारे दोस्तों को ये कलर्स खूब भाएंगे, क्योंकि ये कलर्स खुशबूदार होते हैं। तुम्हारे दोस्त यही कहेंगे, 'लगाओ... लगाओ और कलर लगाओ न...।'

क्या तुम जानते हो / नयनतारा

बच्चों, क्या तुम जानते हो कि होली के अवसर पर होलिका दहन क्यों किया जाता है और रंग क्यों खेला जाता है? जानो, इन परंपराओं से जुड़ी पौराणिक कथाओं और मान्यताओं के बारे में।

क्यों मनाते हैं हम होली का त्योहार

बच्चों, तुम्हें होली के त्योहार पर रंग खेलने में बहुत मजा आता होगा। लेकिन क्या तुम जानते हो कि होली का त्योहार क्यों मनाया जाता है? बता रहे हैं विस्तार से।

देश के अधिकतर त्योहारों का संबंध मौसम के बदलने और कृषि से होता है। होली भी इसका अपवाद नहीं है। यह त्योहार जाड़े की समाप्ति का संकेत और फसल काटने की शुरुआत करने का अवसर है, जो फाल्गुन की पूर्णिमा (मार्च माह में) पर वसंत ऋतु में मनाया जाता है। इस त्योहार से पौराणिक कथा भी जुड़ी है। प्राचीन समय में एक असुर राजा था, हिरण्यकश्यप। उसने तप कर असाधारण शक्तियां प्राप्त कर ली थीं। वह अपने को भगवान समझकर अपनी प्रजा पर दबाव डालने लगा कि वह ईश्वर की जगह उसकी पूजा करें। बहुत से लोग डर कर उसकी पूजा करने लगे, लेकिन उसी का पुत्र प्रहलाद, जो एक नेक और सच्चा बालक था, इस गलत बात से सहमत नहीं था। वह न केवल अपने पिता का विरोध करता था बल्कि भगवान विष्णु की पूजा और भक्ति करता था।

फिर हिरण्यकश्यप ने अपने ही पुत्र का वध करने का निर्णय लिया। इस साजिश में उसने अपनी बहन होलिका को भी शामिल कर लिया, जिसे यह वरदान प्राप्त था कि आग उसे जला नहीं पाएगी। इसलिए योजना यह बनाई गई कि होलिका अपनी गोद में प्रहलाद को लेकर बैठेगी, जिससे वह जलकर राख हो जाएगा। लेकिन यह साजिश नाकाम हो गई। अपनी बुआ होलिका की गोद में बैठा बालक प्रहलाद निरंतर भगवान विष्णु का नाम जप रहा था। इस तरह होलिका जल गई और प्रहलाद बच गया। इसीलिए हम होली पर होलिका दहन करते हैं कि अपनी बुराइयों को जलाकर राख कर दो।

जहां तक बात है कि हम होली पर रंग क्यों खेलते हैं? असल में प्राचीन भारत में वसंतोत्सव मनाया जाता था, जिसमें रंग खेले जाते थे। फिर वसंतोत्सव भगवान कृष्ण से जुड़ गया, जो मथुरा वृंदावन में गोपियों के साथ रंग खेलते थे। इसीलिए होली पर कृष्ण-राधा की भी पूजा की जाती है और रंग खेला जाता है। *

तुम्हारे लिए नई किताब / चंद्रप्रकाश

चटोरे चूहे की कहानी

बच्चों, 'कहानी एक चूहे की' नन्ही-सी चित्र-पुस्तक है। इसमें एक शरारती-आलसी चूहे की छोटी-सी मजेदार कहानी है। इस कहानी में निक्की नाम का एक चूहा है, जो बहुत चटोरा है। उसका स्वभाव भी थोड़ा नकचढ़ा है। उसे अपने मां-पिता की बातें कभी नहीं भाती हैं। अपनी इस आदत की वजह से वह अनहेल्दी चीजें खा-खाकर गोल-मटोल हो जाता है। दौड़ना तो दूर, वह ठीक से चल भी नहीं पाता। इस वजह से अकसर मुसीबत में पड़ता रहता है। इस कहानी में उसके साथ घटी ऐसी ही मुसीबत में घिरने की दो घटनाएं हैं। जिनमें किस्मत से वह बच तो निकलता है, लेकिन फिर वह अपनी गलती पर शर्मिंदा होता है और खुद को बदल डालता है। इस मजेदार कहानी में ऐसे कई घटनाक्रम हैं, जिन्हें पढ़ते हुए तुम खुद को लोट-पोट होने से रोक न सकोगे। पूरी किताब में रंग-बिरंगे चित्र भी बने हैं। *

किताब: कहानी एक चूहे की, **लेखन-चित्र**: उत्पल तालुकदार, **अनुवाद**: पंकज चतुर्वेदी, **मूल्य**: 50 रुपए, **प्रकाशक**: राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत

हंसगुल्ले

टीचर : 'मुंह में पानी आना' इस मुहावरे का वाक्य में प्रयोग करो।
रोहन : जैसे ही मैंने नल की टोंटी में मुंह लगाकर नल चालू किया, मेरे मुंह में पानी आ गया।
-करण, बिलासपुर

चिंटू-मिंटू फुटबॉल मैच देख रहे थे।
चिंटू : अरे, इतने सारे लोग फुटबॉल को लात क्यों मार रहे हैं?
मिंटू : गोल करने के लिए।
चिंटू : लेकिन फुटबॉल तो पहले से ही गोल है। इसे और कितना गोल करेंगे?
-आशीष, रायपुर

सोनू : मान लो, तुम्हारे पास चार सेब हैं, उनमें से दो सेब मैं ले लूं, तो तुम्हारे पास कितने सेब बचेंगे?
मोनू : चार ही बचेंगे, क्योंकि मैं तुम्हें एक भी सेब नहीं दूंगा।
-चंचल, दुर्ग

जीके क्विज- 145

1. पौराणिक कथाओं के अनुसार हिरण्यकश्यप की बहन का नाम क्या था?
2. लट्ठमार होली कहां खेली जाती है?
3. भारतीय क्रिकेट टीम ने किस देश की टीम को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीती है?
4. हाल ही में 'वंतारा एनिमल रेस्क्यू सेंटर' का उद्घाटन कहां किया गया?
5. प्रत्येक वर्ष विश्व जल दिवस कब मनाया जाता है?
6. भारत के किस टेबल टेनिस खिलाड़ी ने पिछले दिनों टेबल टेनिस से संन्यास की घोषणा की?
7. पोंगल किस राज्य का प्रमुख त्योहार है?
8. हवामहल कहां स्थित है?
9. कबड्डी किस देश का राष्ट्रीय खेल है?
10. यूनेस्को का मुख्यालय कहां स्थित है?

बच्चों, जीके क्विज-145 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-144 का उत्तर: 1.पूर्णिमा देवी वर्मन, 2.सर्विसेज, 3.प्रयागराज, 4.रमेन डेका, 5. 8 मार्च, 6.लॉर्ड कैनिंग, 7.राजा राममोहन राय, 8.सुंदरलाल बहुगुणा, 9.शुक्र, 10.मार्कोनी

जीके क्विज-144 का सही उत्तर देने वाले: डॉली-दुर्ग, गुंजा-रायपुर, शुभम-बलौदा बाजार, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, बी. ईशान-अहमदाबाद, कबीर-हिसार, रमेश-कोरबा, दीपिका-हिसार, चेतन-महासमुंद, कल्पना-झज्जर, अमन-बिलासपुर, दीपक-रोहतक, हिमांशु-रायगढ़, शोभित-बिलासपुर, काव्या-बालोद

होली का सबक

होली पर बच्चे मस्ती-धमाल न करें, यह कैसे हो सकता है! बंटी, पिंकी, अर्जुन, गुड्डी और मन्नू ने जब सड़क पर स्कूटर से जा रहे एक अंकल जी को रंग भरे बैलूंस मारे तो वह गिर कर चोटिल हो गए। इस हरकत पर उन्हें डांट न पड़े, इसलिए सारे बच्चे चुपचाप वहां से खिसक लिए। इसके बाद जो हुआ, बच्चों के लिए एक बड़ा सबक था। प्यारी सी कहानी।

कहानी
सरस्वती रमेश

मन्नू और उसके दोस्तों ने इस बार होली पर जमकर हुड़दंग मचाने की प्लानिंग कर रखी थी। बंटी, पिंकी, अर्जुन और मन्नू ने रंग, पिचकारियों के साथ वाटर बैलूंस भी खरीद लिए। होली खेलने के लिए खास रंगीन कपड़े, टोपी और कमर में बांधने के लिए लाल, पीले चौड़े फीते भी उन्होंने मंगवा लिए थे। मन्नू के साथ होली मनाने के लिए गांव से उसकी चचेरी बहन गुड्डी भी आई थी। गुड्डी बहुत होशियार और बातूनी है। चंद दिनों में ही वह पिंकी, अर्जुन और बंटी की फ्रेंड बन गई। गुड्डी के आने से सब और भी खुश थे।

होली के दिन मन्नू और उसके सारे दोस्त सड़क के पास वाले खाली मैदान में होली खेल रहे थे। सबके चेहरे और कपड़े रंगे हुए थे। मन्नू ने कहा, 'गुड्डी तुम अपनी पिचकारी से बैलून में रंग भरो। हम सड़क से आने-जाने वालों पर बैलून फेकेंगे, खूब मजा आएगा।'

'चलो हम साथ मिलकर बैलूंस में रंग भरते हैं।' पिंकी बोली। सब बैलूंस में रंग वाला पानी भरने में लग गए। तभी बच्चों को सड़क पर स्कूटर से एक अंकल आते हुए दिखाई दिए। 'चलो-चलो.. जल्दी बैलून मारो।' मन्नू बोला। सभी बच्चों ने एक साथ स्कूटर पर आ रहे अंकल को बैलूंस मारना शुरू कर दिया। एक साथ कई सारे बैलून चेहरे पर लगने से अंकल के स्कूटर का बैलेंस बिगड़ गया। वह स्कूटर सहित वहीं गिर पड़े। स्कूटर गिरता देख मन्नू और उसके साथी घबरा गए। अंकल जी को थोड़ी चोट लग गई थी। 'अरे अंकल तो गिर गए! अब तो हमें डांट पड़ेगी, हमारी पिटाई भी हो सकती है।' अर्जुन बोला। 'इससे पहले कि अंकल उठकर हमें पकड़ लें, कोई आकर डांटे, हम तुरंत यहां से भाग चलते हैं।' पिंकी बोली।

'हां, ठीक कह रही हो तुम।' बंटी ने हां में हां मिलाई। सभी बच्चों ने जल्दी-जल्दी अपनी पिचकारी उठाई और वहां से नौ दो ग्यारह हो गए। घर पहुंचकर मन्नू ने मम्मी-पापा को स्कूटर वाले अंकल के बारे में कुछ नहीं बताया। उसे डर था, पापा की डांट खानी पड़ेगी। मन्नू ने मम्मी से पूछा, 'पापा कहां हैं?' 'वो तो कॉलोनी में होली मिलने गए हैं।' मम्मी ने बताया। यह सुनकर मन्नू की जान में जान आई। उसने गुड्डी से कहा, 'पापा जब वापस आएं, तो प्लीज पापा से कुछ बताना नहीं।' 'ठीक है, नहीं बताऊंगी।' गुड्डी ने सहमति में सिर हिला दिया।

मन्नू और गुड्डी ने नहा-धोकर कपड़े बदल लिए। पापा थोड़ी ही देर में वापस लौट आए। वह कुछ बड़बड़ा रहे थे। मम्मी ने पूछा, 'क्या बात है, मूड कुछ खराब लग रहा है आपका? आप इतनी जल्दी सभी से होली मिलकर आ भी गए?' 'अरे, क्या बताऊं, मैं किसी से होली मिलने जा ही नहीं पाया।' पापा खीझे स्वर में बोले। 'क्यों?' मम्मी ने जानना चाहा।

पापा ने गुस्से से बताया, 'पड़ोस के शर्मा जी की पत्नी बीमार हैं। वो उनके लिए दवाइयां लेकर आ रहे थे कि कुछ बच्चों ने अचानक उन्हें गुब्बारे मारने शुरू कर दिए। वह स्कूटर से वहीं गिर पड़े। वो तो मैं उधर से ही गुजर रहा था तो उन्हें उठाकर पास की एक क्लीनिक ले गया। गनीमत है, उन्हें ज्यादा चोट नहीं आई।' 'आजकल के बच्चों में जरा भी मैनर्स नहीं हैं। होली के नाम पर कुछ भी करते हैं।' मम्मी भी थोड़ा गुस्से से बोलीं। मन्नू और गुड्डी दरवाजे के पीछे से यह सब सुन रहे थे। अब उन्हें अपने किए पर बहुत पछतावा हो रहा था। गुड्डी ने कहा, 'हमें चलकर शर्मा अंकल से माफी मांगनी चाहिए।' 'तुम ठीक कहती हो। अंकल को हमारी वजह से इतनी तकलीफ हो गई।' मन्नू बोला। शाम को बंटी, पिंकी, अर्जुन, मन्नू, गुड्डी सभी बच्चे शर्मा अंकल के घर गए। आंटी बीमार थीं, बच्चे इसलिए अपने साथ थोड़ा फल भी ले गए। 'अंकल जी, हमें माफ कर दीजिए। हमसे गलती हो गई।' मन्नू बोला। शर्मा अंकल को समझते देर न लगी, वह बोले, 'अच्छा तो बैलूंस मारने वाले शैतान बच्चे तुम सब हो।' अंकल की बात सुन सभी बच्चों के सिर नीचे झुक गए।

'तुम तो रजत के बेटे हो न?' शर्मा अंकल ने मन्नू की तरफ देखते हुए पूछा। 'जी अंकल।' मन्नू बोला। 'तुम्हारे पापा ने उस समय मेरी बड़ी मदद की। चलो मैं तुम लोगों को माफ करता हूं। लेकिन आगे से इस बात का ध्यान रखना कि कभी होली के नाम पर ऐसी शरारत नहीं करना कि किसी को चोट लग जाए, वह परेशान हो।' अंकल ने बच्चों को समझाया। 'हम समझ गए अंकल। हमें सबक मिल गया है। आगे से हम ऐसा कभी नहीं करेंगे।' सभी बच्चे बोले। बंटी ने फलों की टोकरी अंकल की तरफ बढ़ाते हुए कहा, 'यह आंटी के लिए, हम सब की तरफ से!'

'अरे वाह! तुम लोग तो बहुत समझदार बच्चे हो। मुझे उम्मीद है कि तुम सब बड़े होकर अच्छे इंसान बनोगे।' शर्मा अंकल खड़े होते हुए बोले। उन्होंने सभी बच्चों के माथे पर गुलाल का टीका लगाकर 'हैप्पी होली' कहा। साथ ही बच्चों के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद भी दिया। आंटी ने बच्चों को चॉकलेट्स भी दिए। *

कविता
राजा चौरसिया

होली रंग-रंगीली

इंद्रधनुष जैसे रंगों से
दिखती छटा छबीली।
गांवों से लेकर शहरों तक
होली रंग-रंगीली।।
वासंती मौसम के चलते
कितने सुंदर फूल खिले हैं।
नए-पुराने सब हंस-हंस कर
हाव-भाव से गले मिले हैं।।
चारों ओर गुलाल उड़ रही
सरसों फूली पीली।
हो जाती है सबकी सूरत
पिचकारी से गीली।।
गूंज रहे हैं ढोल-ढमाके
ठुमक-ठुमक कर लोग नाचते।
हंसी-ठिठोली रहे परस्पर
होती रहें चुलबुली शरारतें।।
मनहूसी तो फुर्र हुई है
या फिर हालत ढीली।
करती हर बस्ती तनाव को
टीली-लीली-लीली।।

अंतर बताओ

बच्चों, यहां होली की मस्ती कर रहे बच्चों के एक जैसे दो चित्र दिए गए हैं। लेकिन इन दोनों चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम्हें दो मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सारे अंतर बताओ।

उत्तर: 1. लड़की की टी-शर्ट पर ऊपर गर्दन-कंधे के पास पीला रंग लगा हुआ है। 2. लड़के के बालों पर गुलाल नहीं लगा है। 3. लड़के की टी-शर्ट का रंग लाल है। 4. लड़के की पिचकारी का रंग नीला है। 5. लड़के के आगे रखी बाल्टी, पिचकारी और रंगों की प्लेट गायब है।

सही रास्ता बताओ

बच्चों, मोनू को होली खेलने के लिए रंग और पिचकारी चाहिए, लेकिन जिस जगह ये दोनों सामान रखे हैं, वहां तक पहुंचने का रास्ता बहुत टेढ़ा-मेढ़ा है। तुम जरा मोनू को रंग और पिचकारी वाली जगह तक पहुंचने में मदद तो करो।

सुपर 100 लेवल एक का परिणाम जारीः जिले से चयनित 79 विद्यार्थी देंगे लेवल दो की परीक्षा

- पांच फरवरी को आयोजित हुई भी सुपर 100 लेवल एक परीक्षा
- जिले के 79 विद्यार्थियों ने परीक्षा की थी उत्तीर्ण

परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी सुपर 100 बैच 2025-27 का हिस्सा बनेंगे: जिला शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि राजकीय विद्यालयों में 10वीं कक्षा में पढ़ रहे छात्र-छात्राएं, जिन्होंने अपना रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन किया था। उन्होंने यह लेवल एक की परीक्षा दी थी। आगे लेवल दो में चयन होने पर वे छात्र-छात्राएं, जो 11वीं कक्षा में विज्ञान विषय चुनेगे उनको इस योजना के तहत मुफ्त आईआईटी व मेडिकल के लिए कोचिंग प्रदान की जाएगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धौलेड़ा की वंशिका व यश ने जिला स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए टॉप में जगह बनाई हैं।

हरियाणा सरकार व शिक्षा विभाग की ओर से वर्ष 2018 में शुरू किए गए सुपर 100 कार्यक्रम का उद्देश्य 11वीं व 12वीं विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों को आईआईटी और मेडिकल की निःशुल्क कोचिंग प्रदान करना है। इस कार्यक्रम ने पिछले वर्षों में 160 से अधिक छात्रों को आईआईटी, एनआईटी व सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश दिलाने में सफलता प्राप्त करवाई है।

सुपर 100 कार्यक्रम के तहत आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को निःशुल्क परीक्षा तैयारी करने का मौका मिलता है। इस योजना के तहत सरकार का प्रयास है कि सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर कर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। सुपर 100 में चयनित विद्यार्थियों को विकल्प फाउंडेशन की ओर से आवासीय कोचिंग दी जाएगी। विद्यार्थियों को रहने और खाने की सुविधा भी शिक्षा विभाग की तरफ से मुहैया करवाई जाती है। सुपर 100 बैच 2025-27 लेवल एक की परीक्षा पांच फरवरी को हुई थी। जिले के 1645 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 1186 विद्यार्थियों ने यह परीक्षा दी थी। परीक्षा में कुल 50 प्रश्न पूछे गए थे तथा प्रत्येक प्रश्न चार अंक का था। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक की नेगेटिव मार्किंग की गई है। प्रश्न पत्र में कक्षा छह से कक्षा 10वीं के गणित विषय से प्रश्न पूछे गए थे।

विकाय कार्यों के टेंडर छोड़ने से पहले पार्षद की सहमति लें अधिकारी

- पार्षदों की शिकायत पर नपा कार्यालय में पहुंचे डीएमसी
- अधिकारियों को पारदर्शिता से विकास कार्य कराने की हिदायत, स्वच्छता व अतिक्रमण पर विशेष फोकस करे नपा प्रशासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। नपा कार्यालय का औचक निरीक्षण करते डीएमसी डा. आनंद शर्मा व अगड़बंब जोहड़ पर टूटी नवनिर्मित सड़क दिखाते वार्ड वासी। फोटो : हरिभूमि

नपा के पार्षदों की शिकायत पर डीएमसी डा. आनंद शर्मा ने कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों से विकास कार्यों की जानकारी मांगी तथा बजट खर्चने की धीमी रफ्तार पर कड़ा संज्ञान लिया। कहा कि विकास कार्यों का टैंडर छोड़ने से पहले संबंधित पार्षद व चेयरपर्सन की सहमति लेना अनिवार्य है। जनप्रतिनिधियों का अपमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने नपा प्रांगण में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया है।

आपको बता दें कि नांगल चौधरी नपा के चुनाव को करीब तीन साल बीत चुके हैं। शहरी विकास परियोजना के तहत नपा को बजट भी मुहैया करवाया जा रहा है। बावजूद नांगल चौधरी नपा में अतिक्रमण, स्ट्रीट लाइट, सफाई, पेयजल व अन्य समस्याएं बनी हुई हैं। जिससे परेशान लोग नपा कार्यालय, पार्षद व चेयरमैन के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अभी तक स्थिति यथावत बनी हुई है। वार्डों में विरोध बढ़ने पर पार्षदों ने नपा सचिव, जेई व एमई को समस्या से अवगत कराया था, लेकिन उन्होंने सकारात्मक जबाब नहीं दिया। जिससे गुस्साए पार्षदों ने सोमवार को प्रस्तावित बजट मीटिंग का बहिष्कार किया था। इसके बाद मंगलवार को सभी पार्षदों ने मीटिंग का आयोजन किया और नारनौल डीएमसी को ज्ञापन सौंपकर नपा अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। कहा कि नपा के पास पर्याप्त बजट भी है बावजूद विकास कार्यों के टैंडर नहीं छोड़े गए, जिन वार्डों में टैंडर हुए हैं उनमें पार्षदों की सहमति नहीं। ठेकेदार और अधिकारी अपनी मर्जी से सड़क व नालियों का निर्माण कराते हैं। जिसमें धांधली की शिकायतें रहती हैं। शिकायत मिलने पर बुधवार की सुबह डीएमसी डा. आनंद शर्मा नपा के कार्यालय में पहुंचकर अधिकारियों को तलब किया। शहर में चल रहे विकास कार्यों की रिपार्ट मांगी तथा स्वीकृत कामों की सूची का अवलोकन किया। कहा कि शहर में पार्षद व चेयरपर्सन की सहमति से ही विकास कार्यों के टैंडर छोड़ने जरूरी है। जनप्रतिनिधि की अनदेखी को किसी भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जितने टैंडर पेंडिंग हैं।

निर्माण कंप्लीट होने से पहले ही जर्जर हो गई अगड़बंब जोहड़ की सड़क

वार्ड नौ के निवासी राजू सैनी ने बताया कि जोहड़ का सौंदर्यीकरण करने के मकसद से चारों तरफ फुटपाथ का पक्का निर्माण कराया था, लेकिन निर्माण के दौरान सिमेंट की मात्रा बहुत कम इस्तेमाल हुई। जिस कारण अधिकांश सड़क में दरार पड़ गई। पूरी सड़क बिखरनी आरंभ हो गई। जिससे लोगों को सड़क टूटकर जोहड़ में गिरने का अंदेशा बढ़ गया। इस संदर्भ में डीएमसी ने जेई को जांच करके निर्माण सामग्री का सैंपल भरने के निर्देश दिए हैं।

एक सप्ताह में पेंडिंग टैंडरों को अलॉट करने की हिदायतः

डीएमसी डा. आनंद शर्मा ने नपा सचिव को निर्देश देते हुए कहा कि एक सप्ताह में पेंडिंग टैंडर अलॉट करना सुनिश्चित करें। टैंडर प्रक्रिया में वार्ड पार्षदों की सहमति लेना जरूरी है तथा पारदर्शिता बनाए रखना है। जिन वार्डों में विकास कार्य चल रहे हैं। वहां जेई व अन्य अधिकारी नियमित विजिट करें तथा निर्माण सामग्री हल्की होने का संदेह होने पर सैंपल लेना जरूरी है, जो ठेकेदार समय पर काम पूरा नहीं करता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाए।

नारनौल। होली मनाते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

राजकीय पाठशाला में मनाया बच्चों संग तिलक होली

नारनौल। होली के पवित्र त्योहार पर राजकीय प्राथमिक पाठशाला पंजाबी एक की स्कूल प्रभारी सरोज ने विद्यालय में तिलक होली बच्चों के साथ मनाई। स्कूल प्रभारी सरोज ने इस तरह की होली मनाना बच्चों को बहुत अधिक प्रसन्नता दी। सरोज ने बच्चों को होली के उत्सव बारे भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यह त्योहार आपसी भाईचारे का संदेश देता है। बच्चों को संदेश दिया कि इस त्योहार पर पानी खराब नहीं करना चाहिए। जल ही जीवन है, जल बचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें गुलाल से तिलक लगाकर होली का उत्सव मनाना चाहिए। हमें गुलाल लगाते समय ये ध्यान रखना चाहिए कि आंखों में रंग न पड़ जाए। इस मौके पर रेखा, शकुंतला आदि मौजूद थी।

बाबा गैबीराम का मेला एवं खेलकूद गुवानी में आज

मंडी अटेली। बाबा गैबीराम का मेला गुवानी में 14 मार्च को धुलंडी के दिन भरेगा। इस मेले में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं होगी। इस मेले में मुख्य अतिथि भिवानी महेंद्रगढ़ सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह वविशिष्ट अतिथि जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार रहेंगे। जानकारी देते हुए सरपंच प्रतिनिधि दिनेश यादव एवं मेला कमेटी ने बताया कि मेले में कुश्तियां 51 रुपये से लेकर 51 हजार तक करवाई जाएंगी। अगर मेले में अच्छे व बड़े पहलवान आने पर कुश्तियां की राशि बढ़ाई भा जा सकती हैं। मेले में हरियाणा स्टाइल कबड्डी प्रतियोगिता में प्रथम विजेता टीम को एक लाख तथा द्वितीय टीम को 51 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। वहीं वालीबाल समेसिंग प्रतियोगिता में प्रथम टीम को 71 हजार तथा द्वितीय टीम को 41 हजार का पुरस्कार दिया जाएगा।